

गडुक पुं. (तत्.) गडुवा, अंगूठी, मुँदरी।  
 गडुल पुं. (तत्.) कुबड़ा, आदमी वि. (तत्.) कुब्ज, कुबडवाला।  
 गडुलना पुं. (तद्.) बच्चों को घुमाने की छोटी गाड़ी।  
 गडेर पुं. (तद्.) मेघ, बादल।  
 गडेरदार वि. (तद्.+फ़ा.) घेरदार।  
 गडेरन स्त्री. (देश.) गड़रिया स्त्री।  
 गडेरिया पुं. (देश.) दे. गड़रिया।  
 गडेरूआ पुं. (देश.) चौपायों का एक रोग।  
 गड़ोना स.क्रि. (देश.) चुभाना, धँसाना, घुसेड़ना।  
 गडोल पुं. (तद्.) 1. ग्रास, कौर 2. गुड़, कच्ची चीनी।  
 गड़ोलना पुं. (देश.) बच्चों को घुमाने फिराने की छोटी गाड़ी।  
 गड्ड पुं. (देश.) 1. एक पर एक रखी चीजों की राशि 2. ताश के पत्तों, कागज आदि का ढेर।  
 गड्डमगोल पुं. (देश.) दे. गड़बड़झाला।  
 गड्डमड्ड पुं.वि. (देश.) घालमेल, घपला, बेमेल की मिलावट, बिना किसी क्रम या नियम के।  
 गड्डी स्त्री. (देश.) छोटा गड्ड, ढेर, एक ही आकार की ऐसी वस्तुओं का ढेर जो तले ऊपर रखी हो जैसे- कागज की गड्डी, ताश की गड्डी, पान की गड्डी।  
 गड्ढर-गडुल पुं. (तत्.) भेड़ मेष।  
 गड्ढा पुं. (तद्.) 1. गढ़ा, गर्त 2. पेट 3. किसी तल का वह भाग जो आस-पास से कुछ नीचा हो जैसे- गालों में गड्ढा पड़ना 4. ला.अ. विपत्ति, संकट या हानि जैसे- आगे बढ़ने में गड्ढों से मत डरो।  
 गढंत वि. (देश.) गढ़ा हुआ, कल्पित, बनावटी जैसे- तुम्हारी गढंत बातों पर कौन विश्वास करेगा स्त्री. गढ़ी हुई बात।

गढ़ पुं. (तद्.) 1. कोट, किला 2. खाई 3. अड्डा 4. केंद्र मुहा. गढ़ जीतना- किला जीतना/अधिकार करना, कठिन काम करना।  
 गढ़त स्त्री. (देश.) गठन, बनावट, ढाँचा, रचना, आकृति।  
 गढ़न स्त्री. (तद्.) बनावट, गठन।  
 गढ़ना अ.क्रि. (तद्.) 1. दो वस्तुओं का परस्पर मिलकर एक होना, जुड़ना सटना 2. मोटी सिलाई होना, बड़े-बड़े टांके लगाना 3. बुनावट का दृढ़ होना।  
 गढ़ना स.क्रि. (तद्.) 1. किसी सामग्री को काट-छाँट कर ठोंक-ठाक कर कोई काम की चीज बनाना, सुघटित करना, रचना, निर्माण करना।  
 गढ़पति (गढ़-पति) पुं. (तद्.) 1. किलेदार 2. राजा, सरदार।  
 गढ़ा पुं. (तद्.) दे. गड़ढा।  
 गढ़ाई स्त्री. (देश.) 1. गढ़ने की क्रिया, गढ़ने का काम 2. गढ़ने की मजदूरी, वह मजदूरी जो सुनार, बढ़ई आदि को कोई चीज बनाने के बदले दी जाती है।  
 गढ़िया पुं. (देश.) गढ़ने वाला।  
 गढ़ी स्त्री. (देश.) 1. छोटा किला 2. किले या कोट के ढंग का मजबूत मकान।  
 गढ़ीस वि. (तद्.) गढ़पति, किलेदार।  
 गढ़ैया वि. (देश.) गढ़ने वाला, बनाने वाला, रचने वाला।  
 गण पुं. (तत्.) 1. समूह, झुंड, जत्था 2. श्रेणी, जाति कोटि 3. समान उद्देश्य वाले मनुष्यों का समूह 4. संघ 5. अनुचर 6. अनुयायी वर्ग 6. अक्षौहिणी सेना का एक विभाग जिसमें 27 हाथी, 27 रथ, 81 घोड़े, 135 पैदल होते हैं 7. नक्षत्रों की तीन कोटियों में से एक 8. काव्य. छंदशास्त्र में तीन वर्णों का समूह 9. गणेश 10. शिव के सेवकों का समुदाय।  
 गणक पुं. (तत्.) 1. ज्योतिषी 2. गणना करने वाला 3. लेखापाल चुनाव में प्राप्त मतों या